अध्याय 1 प्रस्तावना

ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (कम्पनी) को तत्कालीन हाइड्रोकार्बन्स इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड से 15 जून 1989 को नया नाम दिया गया था जो तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड (ओएनजीसी) के सम्पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कम्पनी के रूप में 5 मार्च 1965 को निगमित की गई थी। कम्पनी ओएनजीसी की अन्तर्राष्ट्रीय कम्पनी है और स्वतन्त्र राष्ट्रों के राष्ट्रमण्डल (सीआईएस), सुदूरपूर्व, मध्य पूर्व, अफ्रीका तथा लैटिन अमेरिका में फैले अपने प्रचालनों के साथ विदेशों में तेल तथा गैस क्षेत्रफलों के अभिग्रहण, विकास एवं उत्पादन में लगी है। कम्पनी ने उत्पादक, खोज तथा विकास चरणों पर विभिन्न ब्लाकों में पूर्ण स्वामित्व की चार सहायक कम्पनियां (ओएनजीसी नीलंगगा बीवी, ओएनजीसी नर्मदा लिमिटेड, ओएनजीसी अमेज़ोन अलकनंदा लिमिटेड तथा जारपीनो लिमिटेड) और एक जेवी कम्पनी (ओएनजीसी मित्तल एनर्जी लिमिटेड) निगमित/प्राप्त की है। कम्पनी ने मार्च 2010 तक 45 खोज तथा उत्पादन (ईएण्डपी) परिसम्पत्तियां प्राप्त की थीं (व्यौरे **अनुबंध** में) जैसा कि नीचे दिया गया है:

क्र. सं.	धारिता की प्रकृति	परिसम्पत्तियों की संख्या	निवेश (करोड़ ₹ में)
1.	100 प्रतिशत प्रत्यक्ष धारिता	10	968.78
2.	विदेशी सहायक कम्पनियों के माध्यम से 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष धारिता	3	11,342.76
3.	अनिगमित जेवी के माध्यम से प्रत्यक्ष धारिता	13	22,667.06
4.	सहायक कम्पनी के माध्यम से निगमित जेवी	3	5,175.73
5.	सहायक कम्पनी के माध्यम से अनिगमित जेवी	6	10,703.36
6.	संयुक्त उद्यम कम्पनी की सहायक कम्पनी के माध्यम से अनिगमित जेवी	2	568.04
7.	त्यागी गईं परिसम्पत्तियां (100 प्रतिशत 3 प्रत्यक्ष धारिता सहित)	8	1,066.17
	जोड़	**45**	**52491.90**[1]

उपर्युक्त 45 परिसम्पत्तियों में से 14 उत्पादक, विकासशील/अन्वेषित परिसम्पत्तियां थीं, 23 परिसम्पत्तियां अन्वेषण के अधीन थीं और शेष आठ हाइड्रोकार्बन की खोज न होने के कारण मार्च 2010 तक त्याग दी गई थीं। कम्पनी की उत्पादक तथा विकसित परिसम्पत्तियों में 185.995 मिलियन मीट्रिक टन तेल तुल्य (एमएमटीओई) हाइड्रोकार्बन का प्रमाणित भंडार था।

मार्च 2010 को कम्पनी के मामलों का प्रबन्ध चार कार्यात्मक निदेशकों, दो सरकार नामित निदेशकों और सात अंशकालिक निदेशकों, जो ओएनजीसी के पूर्णकालिक निदेशक हैं, सहित 13 निदेशकों से बने निदेशक बोर्ड द्वारा किया जा रहा था। ओएनजीसी का अध्यक्ष तथा प्रबन्ध निदेशक (सीएमडी) कम्पनी का अध्यक्ष भी है।

[1] फारसी परियोजना तथा सूडान पाइपलाइन योजना के प्रति ₹ 850.81 करोड़ छोड़कर। परियोजनाएं निष्पादन लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में शामिल नहीं की गई हैं क्योंकि ये क्रमशः सेवा ठेका तथा गैर ईएण्डपी परियोजनाएं हैं।

2009-10 को समाप्त गत छः वर्षों में उत्पादन, टर्नओवर तथा लाभ में वृद्धि नीचे दिए ग्राफों में चित्रित है। उत्पादों में 12.42 प्रतिशत की संचयी औसत वृद्धि दर (सीएजीआर) पर वृद्धि हुई जबकि टर्नओवर में सीएजीआर में तदनुरूपी वृद्धि 26.06 प्रतिशत थी जो उत्पादन के अलावा मूल्य पद्धति में वृद्धि दर्शाता है।

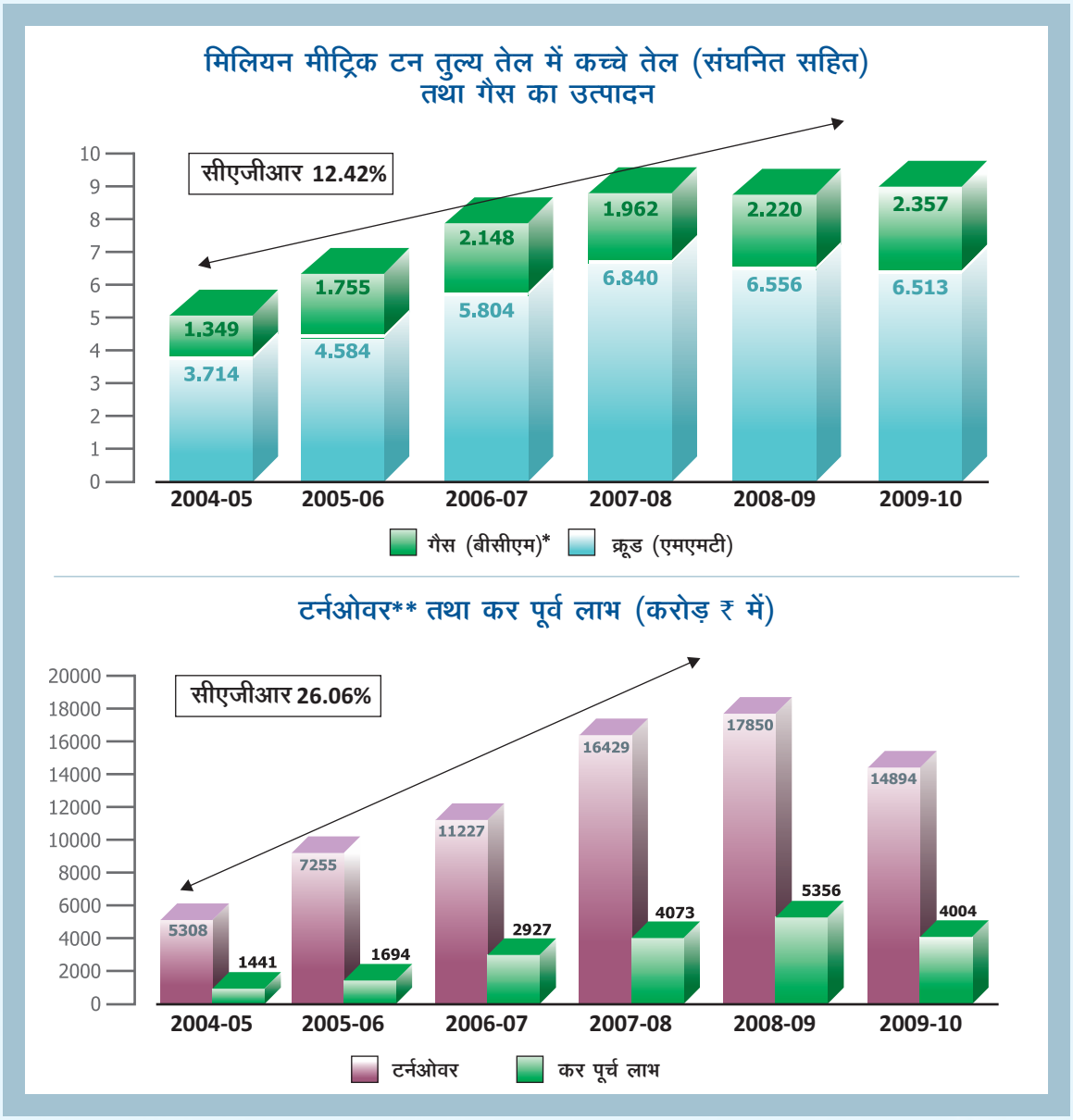

* एक बीसीएम गैस = एक मिलियन मीट्रिक टन तुल्य तेल
** निर्माण ठेका राजस्व तथा परिवहन एवं अन्य सेवाओं को छोड़कर।

कम्पनी ने खोज चरण पर ₹ 6206.83 करोड़ के निवेश वाली 36 परिसम्पत्तियां प्राप्त कीं और केवल पांच परियोजनाओं (केवल एक परियोजना उत्पादक है और शेष चार अभी भी विकासाधीन हैं) में सफलता प्राप्त की जहाँ यह गैर प्रचालक थी। ₹ 1066.17 करोड़ की लागत की आठ परियोजनाएं त्यागनी पड़ी थीं और शेष 23 परियोजनाएं अभी भी खोज प्रकिया में थीं।। इस प्रकार अकेले प्रचालक के रूप में कम्पनी ने अभी तक कोई सफलता प्राप्त नहीं की है और निवेश अवसरों के मूल्यांकन में अपनी सारभाग क्षमता को सुधारने की आवश्यकता है।

अध्याय

2

लेखापरीक्षा ढ़ांचा